con formal en en sub del francis

THE PERSON

many for an arrangement of

Deleta king in

brown

The state water flowing account

उत्तरांचल सरकारी सेवक

त्याग-पत्र नियमावली,

2003

and it discount into an elementary of the first term of the first term of

And the property of the state o

No francis on recovery, or

and it was a set bear to be a set of

Committee and the late of the

उत्तरांचल शासन कार्मिक अनुमाग-2

संख्या 589/कार्मिक-2/2003-55 (38)/2003 देहरादून, 13 मई, 2003

अधिसूचना

प्रकीर्ण

संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :--

उत्तरांचल सरकारी सेवक त्याग-पत्र नियमावली, 2003

- संक्षिपा नाग और 1. (1) यह नियमावली "उत्तरांचल सरकारी सेवक त्याग—पत्र नियमावली, 2003" कही प्रारम
 - (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।
- अध्यारोडी प्रणाव 2 यह नियमावली, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन राज्यपाल द्वारा बनाई गई किसी अन्य नियमावली या इस निमित्त जारी किये गये कार्यपालक आदेशों में किसी प्रतिकृत बात के होते हुए भी, प्रमावी होगी।
- परिभाषायें 3 जब तक विषय या सन्दर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो, इस नियमावली में पद-
 - (क) किसी सेवा के सम्बन्ध में "नियुक्ति प्राधिकारी" का तात्पर्य सुसंगत सेवा नियमावली के अधीन ऐसी सेवा में नियुक्तियाँ करने के लिए सशक्त प्राधिकारी से हैं;
 - (ख) "संविधान" का तात्पर्य मारत का सविधान से हैं,
 - (ग) "सरकार" का तात्पर्य उत्तरांचल की राज्य सरकार से है:
 - (ध) "सरकारी सेवक" का तात्पर्य संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई सुसंगत सेवा नियमावली के अधीन किसी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किसी व्यक्ति से हैं.
 - (ङ) "राज्यपाल" का तात्पर्य उत्तरांचल के राज्यपाल से है,
 - (वं) "मौलिक नियुविता का तात्पर्य सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुवित से हैं जो तदर्थ नियुवित न हों, और उस सेवा से संबंधित सेवा नियमों के अनुसार चलन के पश्चात् की गई हो।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 589/ Karmik--2/2003–55 (38)/2003, dated May 13, 2003 for general information:

No. 589/ Karmik-2/2003-55 (38)/2003

Dated Dehradun, May 13, 2003

NOTIFICATION

Miscellaneous

In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the Governor is pleased to make the following rules:

THE UTTARANCHAL GOVERNMENT SERVANTS RESIGNATION

RULES, 2003

 (1) The rules may be called "The Uttaranchal Government Servants Resignation Rules, 2003". Short site and communications.

- (2) They shall come into force atonce.
- These rules shall have effect notwithstanding anything to the contrary contained in any other rules made by the Governor under the proviso to Article 309 of the Constitution of executive orders issued in this behalf.

Overnding affect

In these rules, unless there is any thing repugnant in the subject or context.
 the expression —

Definacions

- (a) "Appointing authority" in relation to any service means the authority empowered to make appointments to such service under the relevant service rules;
- (b) "Constitution" means the Constitution of India:
 - (c) "Government" means the State Government of Uttaranchal;
 - (d) "Government Servant" means a person substantively appointed to a post under the relevant service rules made under Article 309 of the Constitution.
 - (e) "Governor" means the Governor of Uttaranchat;
 - (f) "Substantive appointment" means an appointment, not being an adhoc appointment, on a post in the cadre of the service, made after selection in accordance with the service rules relating to that service.

- त्याग-पत्र की सूधना 4. (1) कोई सरकारी सेवक लिखित रूप से तीन मास की सूचना देकर अपनी सेवा से त्याग-पत्र दे सकता है।
 - (2) त्याग-पत्र की सूचना-
 - (एक) स्वैच्छिक और बिना शर्त होगी;
 - (दो) प्राधिकारी जिसके अधीन उक्त सरकारी सेवक त्याग—पत्र देने के समय कार्य कर रहा हो, को सूबित करते हुए नियुक्ति प्राधिकारी को संबोधित की जायेगी:

परन्तु नियुक्ति प्राधिकारी किसी सरकारी सेवक को बिना किसी सूचना या किसी अल्पतर सूचना के त्याग-पत्र की अनुमति देने के लिए स्वतन्त्र होगा।

त्पाग-मञ्ज का स्वीवनर या अस्वीकार कियाः जानाः

- 5. (1) सरकारी सेंवक का त्याग-पत्र तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि इसे नियुक्ति प्राधिकारों हारा स्वीकार नहीं किया जाता है और उसके औपवारिक आदेश जारी नहीं किये जाते हैं। नियुक्ति प्राधिकारी स्वविवेकानुसार त्याग-पत्र स्वीकार करने से इन्कार कर सकता है यदि—
 - (एक) सरकारी सेवक सरकार के प्रति किसी धनराशि का देनदार हो और / या कोई अन्य दायित्व हो तो जब तक कि देय धनराशि का भुगतान न कर दिया गया हो या दायित्व का निर्वहन न किया गया हो।

या

(दो) सरकारी कर्मचारी निलम्बत हो।

या

(तीन) उसके विरुद्ध कोई जॉच सकल्पित या लम्बित हो।

या

- (वार) अपराधिक आरोप से सम्बन्धित अन्वेषण, जाँच या परीक्षण लियत हो और ऐसा आरोप सरकारी सेवक के रूप में उसकी शासकीय रिधति से सम्बन्धित हो।
- (2) नियुक्ति प्राधिकारी यथासम्भव सूचना की अवधि के अवसान के पूर्व त्याग-पत्र की पार्थना पर विनिश्चय करेगा।

सेधा समाप्ति

- चक्त सरकारी सेवक की सेवायें उसके त्याग-पत्र स्वीकृति के आदेश के जारी होने के दिनांक से या ऐसे भविष्यवर्ती दिनांक से जैसा उसमें उल्लिखित किया जाय, समाप्त हो जादेंगी।
- त्याग-पत्र का वापस 7. सरकारी सेवक नियुक्ति प्राधिकारी को लिखित रूप में एक निवेदन प्राप्त लेना कराकर इस नियमावली के नियम 6 में यथा—उपबन्तित अपनी सेवाओं की समाप्ति के दिनांक के पूर्व ही अपना त्याग-पत्र वापस ले सकता है।

आझा से.

 (1) A Government servant may resign from his service by giving three months notice in writing.

Notice of Resignation

- (2) The notice of resignation shall be --
 - (i) Voluntary and unconditional;
 - (ii) addressed to the appointing authority under intimation to the authority under whom the said Government servant is working at the time of tendering resignation:

Provided that it shall be open to the appointing authority to allow a Government Servant to resign without any notice or by a shorter notice.

(1) The resignation of the Government servant shall not be effective unless
it is accepted by the appointing authority and formal order is issued
thereof. The appointing authority may, in its discretion, refuse to accept
the resignation, if —

Acceptance or refusal of resignation

(i) the Government servant owes to the Government any sum of money and/or any other liability unless the amount due has been paid or the liability discharged.

Or

(ii) the Government servant is under suspension.

0

(iii) the inquiry is contemplated or pending against him.

0

- (iv) investigation, inquiry or trial relating to criminal charge is pending and such charge is connected with his official position as the Government Servant.
- (2) The appointing authority shall, as far as possible take decision the request of resignation before the expiry of the period of notice.
- 6. The services of the said Government servant shall stand terminated with effect from the date of issue of order of the acceptance of his resignation or from such future date as mentioned therein.

Tennination of service

The Government servant may withdraw his resignation by making available a
request in writing to the appointing authority only before the date of termination
of his services as provided in rule 6 of these rules.

Withdrawal of resignation

By Order,

ALOK KUMAR JAIN,

Sachiv.